

सूक्ष्म और लघु उद्यमों के डिजिटलीकरण के लिये राजस्थान नरियात संवर्द्धन परिषद और आरोह कंसल्टिंग के बीच करार

चर्चा में क्यों?

19 जनवरी, 2023 को राजस्थान के सूक्ष्म और लघु उद्यमों के डिजिटलीकरण के लिये राजस्थान नरियात संवर्द्धन परिषद और आरोह कंसल्टिंग के बीच द्विपक्षीय करार पर उद्योग भवन में आरईपीसी के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा और आरोह कंसल्टिंग की नदिशक अरुंधती मुखर्जी ने हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बंदि

- आरईपीसी के मुख्य कार्यकारी पी.आर शर्मा ने बताया कि द्विपक्षीय करार के अनुसार आरईपीसी और आरोह समूचे प्रदेश में एमएसएमई के लिये डिजिटलीकरण और नरियात सुवधि जैसे क्षेत्रों में कार्यक्रम चलाने के लिये पाठ्यक्रम और संकाय प्रदान करने पर सहयोग करने के लिये सहमत हुए हैं।
- आरोह कंसल्टिंग की संस्थापक नदिशक अरुंधती मुखर्जी ने बताया कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढाने, वदिशी बाजारों में वसितार करने और एमएनसी के रूप में जाने जाने वाले एमएसएमई टैग को हटाने में मदद करने के लिये संस्था तत्पर रहेगी।
- आरोह कंसल्टिंग के पास अपने बाजारों का वसितार करने और अपनी प्रक्रियाओं को स्वचालति करने के लिये एमएसएमई का समर्थन करने में 7 वर्षों से अधिक का अनुभव है।
- पी.आर शर्मा ने बताया कि सिमझौते के एक हस्से के रूप में, आरोह सभी आकार के एमएसएमई के डिजिटलीकरण के लिये कम लागत वाले समाधान लाने हेतु प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के साथ गठजोड़ करेगा। यह प्रशिक्षण के लिये एजेंडा भी वकिसति करेगा और अगले 2 वर्षों में इसके लिये योग्य और अनुभवी फौकल्टी प्रदान करेगा।
- उन्होंने बताया कि आरोह वभिन्न देशों के खरीदारों और व्यापार प्रतनिधिमिंडलों के साथ समन्वय करने के लिये भारत और वशिव स्तर पर संघों के साथ काम करेगा। राजस्थान में सूक्ष्म उद्यमों द्वारा नए-पुराने आईटी उपकरणों की सुवधि और उनका उपयोग करते हुए उन्हें व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थति करने में मदद करेगा।
- उन्होंने बताया कि इससे सूक्ष्म और लघु उद्यमों को अपने व्यवसायों को बेहतर बनाने के लिये डेटा रहति नरिणय लेने के लिये आवश्यक सभी व्यावसायिक डेटा तक पहुँच बनाने में मदद मल्लेगी। इससे प्रदेश की एमएसएमई इकाईयाँ अपने उत्पादों की मांग और उपलब्धता के आधार पर देश-वदिश में कारोबार को नई दशिा दे सकेगी।